नगर

Navbharat, 27/10/06

असंगठित मजदूरों को सुरक्षा मिले

राष्ट्रीय सम्मेलन में सार्वजनिक उपक्रम मंत्री अनिल देशमुख का आह्वान

कार्यालय प्रतिनिधि

नागपुर. जिस तरह संगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा स्वरूप पेंशन, बीमा, प्रोविडेंट फंड व ग्रेज्युटी जैसी योजनाओं का लाभ मिलता है वैसा ही सामाजिक संरक्षण असंगठित मजदूरों को भी मिले तभी देश का सर्वांगीण विकास संभव हो पाएगा. उक्त आह्वान सार्वजनिक निर्माण मंत्री अनिल देशमुख ने गुरुवार को विदर्भ हिन्दी साहित्य सम्मेलन के श्री रामगोपालजी माहेश्वरी सभागृह में 'असंगठित श्रमिक और सामाजिक सुरक्षा' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर किया. भारत की 14 स्वयंसेवी संस्थाओं और संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता कुमार सप्तर्षि ने की. सार्वजनिक उपक्रम मंत्री अनिल देशमुख प्रमुख अतिथि थे जबकि अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संगठनों की सामाजिक सुरक्षा के विशेषज्ञ मार्क्स सोकेट, असंगठित श्रमिकों के राष्ट्रीय आयोग के सदस्य के.पी. कन्नन, सी.ई.सी. (नई दिल्ली) के जे. जॉन, मुंबई के पूर्व महापौर व श्रमिक नेता शांति पटेल, नागपुर के उपमहापौर रघुनाथ मालीकर, इंटक के टीराईराजन व आयोजन समिति के के.आर.के. मालवीय भी प्रमुखता से उपस्थित थे. आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु व राजस्थान के आमंत्रित सदस्यों ने लोकनृत्य प्रस्तुत कर मशाल प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया. सम्मेलन में असंगठित मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा व रोजगार नियमन, सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक संरचना, सुरक्षा कोष, कृषि मजदूरों के लिए अलग कानून, बीमा पर आधारित सामाजिक सुरक्षा और बीमा का निजीकरण, ई.एस.आई. योजना की तर्ज पर नया विकल्प तथा महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. सप्तर्षि ने कहा कि निजीकरण व वैश्वीकरण के इस दौर में संगठित क्षेत्र भी असुरक्षित हो गए हैं. अब न्याय पाने के लिए असंगठितों को आंदोलन के अलावा कोई पर्याय नहीं है. संगठित और असंगठित मजदूरों को सामाजिक संरक्षण दिए बिना साधन संपन्न भारत का निर्माण नहीं हो सकता. देशमुख और सप्तर्षि के अलावा कन्नन, टीराईराजन, जॉन, सोकेट, डा. पटेल व सुब्रमण्या ने भी विविध विषयों पर विचार व्यक्त किए. श्रमजीवी कलाकारों ने नृत्य सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए. सम्मेलन में बिरसा (रांची), नाक्से (दिल्ली), सी.ई.सी. (दिल्ली), एन.सी.सी.यू.-यू. एस.डब्ल्यू. (दिल्ली), दिल्ली फोरम, एन.सी.एच.डी.आर. (दिल्ली), फेडिना (बेंगलूर), एन.आई.डब्ल्यू.सी.वाय.डी. (नागपुर), एच.आर.एल.एन. (दिल्ली), पी. डब्ल्यू. ई.एस.आर.सी. (दिल्ली), आई.एस.आई. (दिल्ली), यूनिस फॉडरा (बेंगलूर), लया (विशाखापट्टनम) और युवा (मुंबई) जैसे संगठन शामिल हुए हैं.

आज होगी सामूहिक चर्चा

इस सम्मेलन के दूसरे दिन 27 अक्टूबर को डा. श्रीनिवास खांदेवाले की अध्यक्षता विविध विषयों पर सामूहिक चर्चा होगी. सुबह 11.30 बजे से आरंभ होने वाले सत्र की अध्यक्षता प्रा. वेंकटरत्नम करेंगे.